LL.B. I Sem. Examination, Dec., 2016
Law-I(Jurisprudence)

Time : Three Hours] (K-1001) [M.M. : 100

नोट : इरा प्रश्न-पत्र को तीन खण्डों-अ,व तथा स में विभाजित किया गया है। खण्ड-अ में विस्तृत उत्तरीय प्रश्न, खण्ड-ब में लघु उत्तरीय प्रश्न तथा खण्ड-स में अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी खण्डों को निर्देशानुसार हल कीजिए। This paper is divided into three Sections-A, B and C. Section-A contains descriptive answer questions. Section-B contains short answer questions and Section-C contains very short answer questions. Attempt all the Sections as per instructions.

खण्ड-अ (Section-A)

नोटः इस खण्ड में पाँच प्रश्न हैं, किन्हीं तीन प्रश्नों को हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है। This section contains five questons, attempt any three questions. Each question carries 20 marks. Answer must be descriptive.

1. विधिशास्त्र को विभिन्न विधिशास्त्रियों ने भिन्न प्रकार से परिभाषित किया है। ये परिभाषाएं क्या हैं तथा ऐसा क्यों है? विधिशास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र का वर्णन कीजिए।
Jurisprudence has been defined differently by various Jurists. What are these definitions and why is it so? Explain the nature and scope of jurisprudence.

2. "प्रगतिशील समाजों की गति अब तक प्रस्थिति से संविदा की ओर रही है।" क्या आप इस विचार से सहमत हैं? विस्तृत टिप्पणी कीजिए।
"The movement of progressive societies has hitherto been a movement from status to contract." Do you agree with this view? Comment in detail.

3. "प्राकृतिक विधि उन सिद्धान्तों में निहित है, जो तर्क तथा युक्ति पर आधारित है।" इस कथन के प्रकाश में प्राकृतिक विधि के विकास की संक्षिप्त विवेचना कीजिए तथा भारतीय विधिक प्रणाली में इसकी प्रयोज्यता को चिन्हित कीजिए। "Natural law consists of the principles which are based on logic and reason." In the light of this observation, discuss the development of natural law in brief and point out its application in the Indian Legal System.

4. 'यथार्थवादी विचारधारा' के उदय के मुख्य कारण क्या थे? अमेरिका के आधुनिक यथार्थवाद पर टिप्पणी लिखिए। What were the main causes of the origin of 'Realist School'? Write a note on the Modern Realism of America.

5. सेविनी के "सामान्य जनचेतना" (वाक्सजीस्ट) सिद्धान्त की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए। Discuss critically Savigny's "Volksgeist" theory.

खण्ड-ब (Section-B)

नोटः इस खण्ड में तीन प्रश्न हैं, किन्हीं दो प्रश्नों को हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। लघु उत्तर अपेक्षित है। This section contains three questions, attempt any two questions. Each question carries 10 marks. Short answer is required.

6. "प्राकृतिक विधि का आधार मानव ज्ञान व विवेक था न कि ईश्वर की दैवीय शक्ति।" संक्षिप्त विवेचना कीजिए।
"The basis of natural law was the men's reason and wisdom and not the spiritual power of God." Discuss in brief.

7. ऑस्टिन के विधि के आज्ञार्थक सिद्धान्त की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।
Discuss in brief the Austin's imperative theory of law.

8. विधिशास्त्र की "समाजशास्त्रीय विचारधारा" की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
Discuss the main features of "Sociological School" of Jurisprudence.

खण्ड-स (Section-C)

Note: इस खण्ड में पाँच प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। इनमें कोई आन्तरिक चयन विकल्प नहीं है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। अति लघु उत्तर अपेक्षित है। This section contains five questions, all questions are compulsory. There is no internal choice. Each question carries 4 marks. Very short answer is required.

9. "विश्लेषणात्मक विन्ध्यवाद" से आप क्या समझते है?
What do you understand by 'Analytical Positivism'?

10. वह कौन-से कारक एवं परिस्थितियां थीं, जिन्होंने विधि की आर्थिक पद्धति को अग्रसर किया? What were the factors and circumstances which led to economic approach to law ?

11. पाउण्ड द्वारा किये गए विधि द्वारा संरक्षित हितों के वर्गीकरण का वर्णन कीजिए।
Describe Pound's classification of legally protected interests.

12. सेविनी की विधि की धारणा के प्रमुख सिद्धान्त क्या है?
What are principal doctrines of Savigny's thesis of law ?

13. "विधि की निश्चितता एक विधिक मिथक है।" संक्षिप्त विवेचना कीजिए।
Certainty of law is a legal myth". Discuss in brief.